क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 68, मंगलवार, 02 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कांग्रेस का दावा, अमित शाह ने हलफनामे में दी गलत जानकारी, चुनाव आयोग से की कार्रवाई की मांग

नेशनल डेस्क। कांग्रेस ने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर अपने चुनावी हलफनामे में एक भूखंड की कीमत को लेकर गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने कहा कि गांधीनगर निर्वाचन अधिकारी को कार्रवाई का आदेश देना चाहिए। उन्होंने यह भी कह कि चुनाव की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए इस मामल पर कदम उठाना चाहिए। तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमित शाह ने जो हलफनामा दाखिल किया है उसके मुताबिक, उनकी संपत्ति में तीन सौ फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने दावा किया, शाह ने गांधी नगर में एक भखंड होने का उल्लेख किया है। गुजरात सरकार के नियम के मुताबिक इस भूखंड की कीमत 66 लाख रुपये से अधिक है, जबकि उन्होंने इसकी कीमत 25 लाख रुपए बताई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक, कोई भी उम्मीदवार गलत जानकारी नहीं दे सकता, जबकि शाह के हलफनामे में गलत जानकारी दी गई है। तिवारी ने कहा कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान ले और गांधीनगर निर्वाचन अधिकारी को कानून के मुताबिक, कार्रवाई करने का आदेश दे। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर विषय है, ऐसा लगता है कि सिर्फ भाजपा नेतृत्व के ही अच्छे दिन आए हैं। एक सवाल के जवाब में तिवारी ने कहा कि हम आशा करते हैं कि हमारे खुलासे पर चुनाव आयोग संज्ञान लेगा। लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करता है तो हम दूसरे कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

पहली बार मतदान करने वालों को लुभाने का अभियान शुरू :भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने ऐसा प्रचार अभियान शुरू किया है जहां पार्टी के स्वयंसेवक कॉलेज के छात्रों से बात कर रहे हैं और उन्हें नरेंद्र मोदी सरकार की युवा केंद्रित विभिन्न पहलों के बारे में बता रहे हैं। इस अभियान का लक्ष्य लोकसभा चुनावों से पहले ऐसे मतदाताओं तक पहुंचने का है जो पहली बार मतदान करेंगे। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जयप्रकाश की तरफ से चलाए जा रहे 'यूथ फॉर मोदी' अभियान में कॉलेजों, ट्यूशन केंद्रों एवं अन्य स्थानों को शामिल किया जाएगा जहां युवा अक्सर आते-जाते हैं। प्रकाश ने कहा, स्वयंसेवियों में कॉलेजों के छात्रसंघों के पूर्व सदस्य या कॉलेज पास कर चुके छात्र शामिल हैं जो छात्रों से स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण जैसी मोदी सरकार की पहलों पर बात कर रहे हैं।' इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पहली बार मतदान करने वालों में बालाकोट हवाई हमले को लेकर बहुत जिज्ञासा है और वे अभियान के बारे में जानना चाहते हैं।

शाह का कांग्रेस पर हमला, पूछा- हिंदुओं को क्यों किया बदनाम?

नेशनल डेस्क। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को दावा किया कि आने वाला चुनाव देश और ओडिशा दोनों का भाग्य तय करने वाला है। शाह ने गजपति जिले में विजय संकल्प समावेश को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने दुनिया में हिंदुओं को बदनाम किया। हिंदू कभी आतंकी नहीं हो सकता। मेरे लिए सौभाग्य है कि एक अप्रैल को मैं ओडिशा आया हूं, आज उत्कल दिवस है। आज के ही दिन पूरे देश में भाषा के आधार पर कोई राज्य बना तो वो ओडिशा राज्य बना। आज 19 साल हो गए, मगर ये ओडिशा वालों के लिए दुर्भाग्य की बात है कि यहां के मुख्यमंत्री नवीन बाबू उड़िया भाषा बिना पढ़े नहीं बोल सकते। मैं कश्मीर से कन्याकुमारी और असम से गुजरात तक घूमता हूं और लोगों से पूछता हूं कि किसकी सरकार आएगी, तो एक ही आवाज आती है, मोदी-मोदी। नवीन बाबू ने जिस प्रकार से पश्चिम और मध्य ओडिशा के साथ सौतेला व्यवहार किया है। इस बार उसका हिसाब करने का वक्त आ गया है। गजपति जिले में जनजातीय समुदाय की विरासत के संरक्षण के लिए इन्होने कोई कार्य नहीं किया। इतने वर्षों में ओडिशा के घरों में न बिजली है, न साफ पानी है, न गांवों में सड़कें हैं। नवीन बाबू की सरकार ने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया।10 साल तक केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी। उस सरकार ने ओडिशा के विकास के लिए 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत मात्र 80 हजार करोड़ रुपये दिया था। जब मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के अंतर्गत 5 लाख 56 हजार 565 करोड़ रुपये ओडिशा के विकास के लिए दिया।

दिल्ली: आप कांग्रेस गठबंधन पर सस्पेंस खत्म, राहुल गांधी की केजरीवाल को नही

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया है। हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान 'आप' प्रमुख ने कहा कि उन्होंने हाल ही में गांधी से मुलाकात की थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने ''आप के साथ चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। दिल्ली कांग्रेस की अध्यक्ष शीला दीक्षित के उनसे संपर्क न करने के बयान पर केजरीवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी से मुलाकात की थी। दीक्षित इतनी महत्वपूर्ण नेता नहीं हैं। केजरीवाल लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए लगातार कांग्रेस से गठबंधन करने की अपील कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा था कि गठबंधन के मुद्दे पर दिल्ली कांग्रेस बंटी हुई है। दीक्षित और उनके तीन कार्यकारी अध्यक्ष गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। पार्टी के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने हाल ही में कहा था कि दिल्ली के दीर्घकालिक परिणामों पर ध्यान देते हुए गठबंधन की संभावना कम है। सूत्र ने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि गठबंधन के बाद आप 2020 चुनाव में कांग्रेस का मुकाबला कैसे करेगी। साथ ही, पार्टी को राजनीतिक रूप से ज्यादा फायदा नहीं होगा क्योंकि केजरीवाल द्वारा केवल 2-3 सीटों की पेशकश की जा रही है।'' कांग्रेस 2014 लोकसभा चुनाव खाता भी नहीं खोल पाई थी। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 12 मई को मतदान होना है। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 12 मई को मतदान होना है। के जरीवाल दिल्ली के अलावा पंजाब और हरियाणा में भी कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहते थे। दिल्ली में कांग्रेस- आप के गठबंधन को लेकर पिछले काफी समय से सस्पेंस बरकरार था जिस पर अब विराम लग गया है।

लोकसभा चुनाव: मोदी ने पवार पर निशाना साधा, राकांपा ने किया पलटवार

वर्धा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी उनके हाथों से निकल रही है और पार्टी में अंदरूनी कलह है। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए मोदी ने जनसभा में कहा कि पवार ने आगामी लोकसभा चुनाव न लडने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उन्हें पता चल गया कि स्थिति उनके अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा,'पवार ने प्रतिकूल स्थिति को भांपते हुए चुनाव न लडने का फैसला किया। राकांपा में अंदरूनी कलह है, पार्टी पवार के हाथों से फिसल रही है।' मोदी ने कहा, ऐसा भी वक्त था जब वह (पवार) सोचते थे कि वह भी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने भी घोषणा की थी कि वह चुनाव लड़ेंगे। लेकिन अचानक एक दिन उन्होंने कहा कि वह राज्यसभा में खुश हैं और वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।' उन्होंने कहा, शरद पवार जी को भी पता है कि हवा किस तरफ बह रही है। इस बार देश के लोगों ने बड़े-बड़े दिग्गजों को चुनावी मैदान छोड़ कर भागने पर मजबूर किया है।'उन्होंने कहा कि पवार की 'दूसरी समस्या' यह है कि राकांपा पारिवारिक कलह' से प्रभावित है। उन्होंने दावा किया, पार्टी पर पवार की पकड़ ढीली पड़ रही है। स्थिति यह है कि पवार साहब के भतीजे (अजित पवार) पार्टी पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में हैं। इस वजह से राकांपा को टिकट बांटने में समस्या आई।' मोदी ने पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री पवार पर खुद एक किसान रहने के बावजूद' किसानों की समस्या को अनदेखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आज पवार साहब को लोगों ने आउट किया है। उनके झूठे वादों का पर्दाफाश हो गया है और उनके भतीजे ने उन्हें हिट विकेट किया है।'मोदी ने पवार पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राकांपा के वरिष्ठ नेताओं को रिटायर होने के लिए मजबूर किया गया। मोदी की टिप्पणियों पर राकांपा ने यह कहते हुए पलटवार किया कि पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करना जानती है। मोदी की भाजपा की तरह नहीं जो लालकृष्ण आडवाणी जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक को दरकिनार कर देती है। राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि मोदी ने वर्धा में खाली रैली मैदान देखने के बाद निराश होकर पवार पर हमला बोला है। मलिक ने कहा, और उस पर भी पवार साहेब पार्टी के अध्यक्ष हैं। लोग देख रहे हैं कि आपने (मोदी) आडवाणी साहेब के साथ कैसा व्यवहार किया है जो आपको राजनीति में लेकर आए, आपको मुख्यमंत्री बनाया, आपको नेता बनाया।'

कांग्रेस चौकीदार का अपमान कर रहीः मोदी

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भाजपा-शिवसेना गठबंधन उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के वर्धा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोग मुझे आशीर्वाद देने आए हैं। भीषण गर्मी में भी लोग यहां आए हैं। कांग्रेस चौकीदार का अपमान कर रही है। उनकी गाली मेरे लिए गहना है। 2 दिन पहले कांग्रेस के एक बड़े नेता ने कहा कि मोदी ने केवल शौचालय की चौकीदारी की है। अब आप बताइये बरसों से जो साफ़ सफाई के काम में जुटे हैं, जो स्वच्छता के चौकीदार हैं, ये भाषा उनका अपमान है या नहीं अभी तो पोलिंग में 10 दिन बाकी हैं। लेकिन आज जो आप लोगों ने प्यार और आशीर्वाद दिया है, पता नहीं आज कांग्रेस और हृष्टक्क के लोगों को नींद आएगी की नहीं। हमारे लिए गर्व की बात है कि इसरो ने कुछ देर पहले एक ऐतिहासिक सिद्धि हासिल हुई है। इसके लिए में इसरो को वैज्ञानिकों को बधाई देता हूं। को सफलतापूर्वक लॉन्च करके 5 देशों की दो दर्जन से ज्यादा सैटेलाइटों को अंतरिक्ष में स्थापित किया गया है। जब पहले इस प्रकार के प्रयोग होते थे तो उसकी दीर्घा गैलरी में कुछ चुने हुए लोग ही होते थे। लेकिन देश में विज्ञान की ओर रुचि बढ़े और वैज्ञानिकों के प्रति सम्मान बढ़े एवं आम नागरिक भी इसे देख पाए। एक समय था जब शरद पवार जी सोचते थे कि वो भी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। पवार ने ऐलान भी किया था कि वो ये चुनाव लड़ेंगे। लेकिन अचानक एक दिन बोले कि मैं तो यहां राज्यसभा में ही खुश हूं, मैं चुनाव नहीं लडूंगा। पवार भी जानते हैं कि हवा का रुख किस तरफ है। कांग्रेस एनसीपी का गठबंधन कुंभकर्ण जैसा है। एनसीपी में इस समय पारिवारिक युद्ध चल रहा है। पार्टी शरद पवार के हाथों से निकलती जा रही है और स्थिति ये है कि उनके भतीजे धीरे-धीरे पार्टी पर कब्जा करते जा रहे हैं। इसी वजह से एनसीपी को टिकट बंटवारे में भी दिक्कत आ रही है

काशी में कांग्रेस का भाग्य जगा पाएंगी प्रियंका गांधी!

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश में पार्टी को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही हैं। अब सवाल यह है कि क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्र वाराणसी में कांग्रेस का भाग्य फिर से जगा पाएंगी। उनकी ओर से कार्यकर्ताओं से जब पूछा गया कि क्या मुझे वाराणसी से चुनाव लडना चाहिए तो इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। 2014 में वाराणसी में घर-घर मोदी के नारे लगे थे। वहीं अब वाराणसी में मतदान से सात सप्ताह पहले बहुत से लोग इस बात को लेकर बाजी लगा रहे हैं कि यदि प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं यदि प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं तो उन्हें व्यापक जन समर्थन मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ के प्रधानमंत्री भूपेश ने प्रधानमंत्री मोदी को भेजा आईना

रायपुर ।

चुनावी माहौल में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए उन्हे आज आईना भेजकर कहा कि इसमें अपनी शक्ल बार बार देख आप अपने असली चेहरे को पहचानने की कोशिश करें। बघेल ने इसकी जानकारी ट्वीट के जरिए दी। उन्होंने मोदी को संबोधित इस ट्वीट में लिखा कि..मैं आपको यह आईना तोहफा स्वरूप भेज रहा हूं। इस आईने को आप लोक कल्याण मार्ग के अपने आवास में किसी ऐसी जगह लगाएं, जहां से आप सबसे अधिक बार गुजरते हों। ताकि इस आईने में अपनी शक्ल बार-बार देख आप अपनी असली चेहरे को पहचानने की कोशिश कर सकें। उन्होने आगे लिखा है कि हो सकता है कि आप इस आईने का इस्तेमाल ही न करें। पीएम निवास के किसी कूड़ेदान में फेंक दें। लेकिन आईना देखने से आप फिर भी नहीं बच पाएंगे। इस देश की 125 करोड़ की आबादी इस चुनाव में आपको आईना दिखाने वाली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का भी दायित्व संभाल रहे बघेल ने ऑनलाइन शापिंग कंपनी अमेजन के जरिए आईना भेजने के साथ ही मोदी को व्यंग्यात्मक लहजे में लिखे पत्र में कहा कि आपको मोदी जी तो बोल ही सकता हूं न? दरअसल क्या है कि आपने खुद को इतने नाम दे रखे हैं कि लोग भ्रमित हो जाते हैं कि आपको किस नाम से पुकारें। चायवाला, फकीर, प्रधान सेवक, चौकीदार, साहेब, और न जाने क्या-क्या! बघेल ने आगे लिखा कि आप स्वतंत्र भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनके कई चेहरे हैं। जो कि अपनी सुविधानुसार उन चेहरों का मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल करता है।

पटनायक ने मोदी के दावे को किया खारिज, कहा- बीजद बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगा

भुवनेश्वर। भाजपा द्वारा ओड़िशा में भी त्रिपुरा जैसा नतीजा दोहराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे को खारिज करते हुए बीजद अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी। पटनायक ने कहा, ''हम (बीजद) चुनावों में बहुत अच्छा करेंगे। मैंने पहले भी कहा है..... आप देखेंगे।'' वह प्रधानमंत्री द्वारा रविवार को दिये गये बयान के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे। मोदी ने रविवार को 'मैं भी चौकीदार' कार्यक्रम में कहा था कि ओड़िशा दूसरा त्रिपुरा होगा जहां भाजपा ने पिछले विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत जीता था और पिछले 25 साल से चलते आ रहे वाम शासन पर विराम लगाकर सरकार बनायी थी। इस कार्यक्रम के दौरान नयी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रपाड़ा जिले के महाकलपाड़ा के मछुआरों से बातचीत करते हुए मोदी ने कहा था कि ओड़िशा में भाजपा का अच्छा आधार है और हाल ही में ओड़िशा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से वह बहुत प्रभावित हैं। मोदी दो अप्रैल और छह अप्रैल को ओड़िशा में दो रैली करने वाले हैं।

लालू परिवार में पड़ी फूट, तेजप्रताप ने अलग मोर्चा बनाने का किया एलान

पटना।

लोकसभा चुनाव से पहले राजद मुखिया लालू यादव के परिवार में बड़ी फूट सामने आई है। लालू-राबड़ी के बड़े बेटे तेजप्रताप ने पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है। तेजप्रताप ने तेजस्वी के सामने जहानाबाद और शिवहर सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि जो इस सीट पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं वो पहले से हारे हुए हैं। एक बार नहीं दो से तीन बार चुनाव हार चुके हैं। तेज प्रताप ने कहा कि हम ऐसे कैंडिडेट की मांग कर रहे हैं जो नौजवान और ईमानदार हैं। हम ऐसे लोग को कतई नजरदांज नहीं कर सकते। दो प्रत्याशियों को बदलने के सवाल पर तेज प्रताप ने कहा कि लालू और राबड़ी जी का आशीर्वाद हमेशा साथ है। मैंने पहले भी कहा है तेजस्वी मेरा अर्जुन है। निष्पक्ष लोगों को उम्मीदवार बनाएंगे नहीं तो हम नया मोर्चा बनाएंगे। जरूरत पड़ी तो खुद निर्दलीय चुनाव लड़ जाऊंगा। ये मेरा मोर्चा लालू-राबड़ी मोर्चा है। पार्टी में कुछ लोग डेरा जमाकर बैठे हैं। हमको जहानाबाद और शिवहर सीट चाहिए। हम इसे लड़कर और जीतकर लेंगे। बेतिया से राजन तिवारी को लड़ाएंगे। सारण से राबड़ी देवी चुनाव लड़ें। इस दौरान तेज प्रताप ने आरएसएस और बजरंगदल पर गंभीर आरोप लगाया। तेज प्रताप ने कहा कि ये लोग हमारे परिवार में भाई को भाई से लड़वाने वाले लोग हैं।

तरकश में और कितने तीर- आज आ सकता है कांग्रेस का मैनिफेस्टो, राहुल गांधी भी रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली।

कांग्रेस मंगलवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मैनिफेस्टो की लॉन्चिंग के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र पर सभी की नजरें हैं, खासकर भाजपा की। दरअसल राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले न्यूनतम आय योजना (न्याय) की घोषणा की थी जिसके तहत कांग्रेस के सत्ता में आने पर पार्टी गरीबों के खाते में हर साल 72 हजार रुपए डालेगी। कांग्रेस की तरकश में से अभी और कितने तीर हैं यह घोषणामत्र जारी होना पर ही पता चलेगा लेकिन एक बात तो तय है कि इस बार के चुनाव काफी दिलचस्प होने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अपने मैनिफेस्टो में कई बड़े ऐलान कर सकती है। कांग्रेस की चुनाव अभियान की कमान संभाल रहे सैम पित्रोदा ने संकेत दिए हैं कि कांग्रेस के मैनिफेस्टो में रोजगार, पर्यावरण और शहरीकरण पर फोकस रहेगा। पित्रोदा ने कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस गांव स्तर पर ही लोगों के लिए नौकरियां पैदा करेगी। ये नौकरियां कंस्ट्रक्शन, टेक्सटाइल्स, फूड चेन जैसे कई क्षेत्रों में मुहैया करवाने का प्लान है। सैम ने कहा कि कांग्रेस भाजपा की तरह युवाओं से झूठे वादे नहीं करेगी। भाजपा ने तो रोजगार देने की जगह युवाओं को बेरोजगार कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में कई पद खाली पड़े हुए हैं जिन्हें भरा जाएगा। वहीं कांग्रेस के मैनिफेस्टो में महिलाओं, किसानों का भी ध्यान रखा गया है।

संपादकीय

मूर्खता से टकराना

कहते हैं कि मूर्खता को कठघरे में खड़ा करना सबसे बड़ी मूर्खता होती है। लेकिन इस साल पहली अप्रैल के मूर्ख दिवस से पहले ही मूर्खता को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर कारोबार की सबसे बड़ी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ ही दिनों पहले अपने कर्मचारियों के लिए एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें उनसे कहा गया कि वे अप्रैल फूल्स डे पर मूर्ख बनाने वाली कोई शरारत न करें। यह भी कहा गया कि अगर वे अपने निजी जीवन में ऐसा कुछ करना चाहते हैं, तो इसके लिए कंपनी के संसाधनों का इस्तेमाल न करें। सर्कुलर में यह भी लिखा गया था कि हालांकि फूल्स डे मनाने की परंपरा कंपनी में कई साल से रही है, लेकिन यह देखा गया है कि इस तरह की गतिविधियों का कोई बड़ा सकारात्मक असर नहीं पड़ता। साथ ही यह भी कि एक दिन की शरारत से हम जितना हासिल नहीं करेंगे, उससे ज्यादा खो देंगे। इस सर्कुलर में मूर्खता दिवस का जो बौद्धिक विश्लेषण किया गया और उसकी उपयोगिता की चर्चा की गई, उसको लेकर अब पूरे अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट का मजाक बन रहा है। इसके पहले तक कंपनी में मूर्खता दिवस मनाने का दस्तूर पूरे जोर-शोर से निभाया जाता था। तीन साल पहले उसके एक कर्मचारी की ऐसी ही शरारत को बहुत से लोगों ने गंभीरता से ले लिया था। उसने एक खबर जारी करा दी थी कि माइक्रोसॉफ्ट विंडोज स्मार्टफोन के लिए नया डॉस ऑपरेटिंग सिस्टम तैयार कर रही है। डॉस दरअसल वह ऑपरेटिंग सिस्टम है, जो आदिकालीन कंप्यूटरों में इस्तेमाल होता था। हालांकि कई बार इसका उल्टा भी होता है। कई बार लोग सच को भी मूर्ख दिवस की शरारत मान बैठते हैं। वर्ष 2004 में पहली अप्रैल को गूगल कंपनी से यह खबर आई कि वह नई ई-मेल सेवा शुरू करने जा रही है, जिसका नाम होगा- जीमेल। उस समय तक गूगल सिर्फ एक सर्च इंजन कंपनी हुआ करती थी, माइक्रोसॉफ्ट और याहू जैसी कंपनियां इस बात को लेकर परेशान थीं कि ई-मेल के धंधे में कोई कमाई नहीं है। इसलिए गूगल की खबर को मूर्ख दिवस की शरारत मान लिया गया और कई लोगों ने तो उसे महीनों तक गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन यही जीमेल जब शुरू हुई, तो फिर उसने याहू और माइक्रोसॉफ्ट की ई-मेल को बंद होने के कागार तक पहुंचा दिया। लेकिन इस साल पहली अप्रैल की सबसे बड़ी पहेली यह है कि माइक्रोसॉफ्ट ने मूर्ख दिवस मनाने पर पाबंदी क्यों लगाई? सही कारण तो पता नहीं, लेकिन एक कारण यह बताया जा रहा है कि हम जिस फेक न्यूज यानी फर्जी खबरों के जमाने में हैं, वहां मूर्ख दिवस मनाने के लिए किसी पहली अप्रैल का इंतजार नहीं किया जाता। वहां तो हर दिन ही मूर्ख दिवस है, बल्कि हर क्षण लाखों लोग मूर्ख बना रहे होते हैं और करोड़ों लोग मूर्ख बन रहे होते हैं। दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों को इसका खामियाजा समय-समय पर भुगतना पड़ा है। यानी माइक्रोसॉफ्ट दूध की जली है, इसलिए छाछ भी फूंक-फूंककर पी रही है। वैसे मूर्खता के बारे में माना यही जाता है कि जो उससे टकराना चाहता है, वह कहीं ज्यादा बड़ी मूर्खता लेकर मैदान में आ जाता है। माइक्रोसॉफ्ट भी शायद यही कर रही है, और फेक न्यूज को मात देने के लिए दुनिया भर में जो हो रहा है, वह भी इसी के आस-पास पहुंच जाता है।

ट्वीट

कीमत

नेहरू की भयंकर भूलों ने भारी रणनीतिक समस्याएं पैदा कर दी हैं, जिनकी भारत की भावी पीढ़ी को बेहिसाब कीमत चुकानी पड़ेगी। पर एक बात की दाद देनी पड़ेगी कि उन्होंने दलाई लामा का रणनीतिक मूल्य माना और उनसे अक्सर मिलते-जुलते रहते थे। उनके बाद के या हाल में हुए प्रधानमंत्री तक दलाई लामा से सार्वजनिक तौर पर मिलने से कतराते हैं।

ब्रह्म चेलानी

दरकते वामपंथ में उपजे अंतर्विरोध

क्षमा शर्मा

कुछ साल पहले जेएनयू में नए-नए नेता बने कन्हैया कुमार को कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने लिफ्ट क्या दी कि अचानक वह दंगे और दंगे में फर्क करने लगे थे। तब बोले थे कि गुजरात के 2002 के दंगे और 1984 में दिल्ली में हुए सिख विरोधी दंगे में बहुत बड़ा फर्क है। गुजरात दंगों को करवाने में जहां प्रशासन की भूमिका थी वहीं सिख विरोधी दंगे तो बस लोगों की प्रतिक्रिया भर थे। शशि थरूर ने कन्हैया की तुलना भगत सिंह से की थी। इन दंगों में अधिकांश वे ही सिख मारे गए थे जो गरीब थे। कोई चारपाई बुनकर, कोई नल ठीक करके, कोई राजमिस्त्री का काम करके तो कोई रद्दी बेचकर तो कोई साप्ताहिक बाजारों में पटरी पर दुकान लगाकर, कोई रोजमर्रा के काम करके गुजारा चलाता था। जिस समय भुखमरी से आजादी की मांग कन्हैया कर रहे थे। उसमें ये गरीब सिख क्यों शामिल नहीं थे। लेकिन मीडिया ने उन्हें रात-दिन दिखाया था और वह वामपंथियों के नए हीरो बनकर उभरे थे। कन्हैया के सिखों के खिलाफ दंगों वाले इस बयान पर छात्र संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। यहां तक कि वाम के छात्र भी उनसे नाराज हो गए। सोशल साइट्स पर उनकी बहुत निंदा हुई थी क्योंकि दंगा चाहे मुसलमानों के खिलाफ हो या सिखों के, दंगा ही होता है लेकिन वक्त बहुत-सी बातों पर धूल डाल देता है। कन्हैया फिर एक बार 2019 के चुनावों में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इन्हीं कन्हैया को संयुक्त वाम ने बेगुसराय (बिहार) से अपना उम्मीदवार बनाया है। वह सीपीआई की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। जब से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा हुई है तब से फेसबुक पर उन्हें महान क्रांतिकारी बताने की होड़ लग गयी है। कहा जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही सोच के खिलाफ कन्हैया को जिताना बेहद जरूरी है। उन्होंने सत्ता को चुनौती दी है। उन्हें वामपंथ का पुरोधा घोषित किया जा रहा है। यह भी लिखा जा रहा है कि कन्हैया के डर से ही गिरिराज सिंह बेगुसराय छोड़कर भाग रहे हैं। वह उनका मुकाबला नहीं कर सकते। ये घोषणाएं भी की जा रही हैं कि देश भर से युवा कन्हैया को चुनाव जिताने बेगुसराय जा रहे हैं।

क्या सचमुच वामपंथियों के पास कन्हैया से बेहतर कोई उम्मीदवार नहीं। विपक्षी कह रहे हैं कि बेगुसराय में भूमिहारों का आधिक्य है और कन्हैया की जाति को देखकर ही टिकट दिया गया है। क्या जाति के गणित के सामने वामपंथियों ने अपने वर्ग के विचार को बिल्कुल भुला दिया है। ऐसा क्या है कि वह सीताराम येचुरी या प्रकाश करात, फारुखी, ए.बी. वर्धन, अतुल अंजान आदि से भी बड़े नेता मान लिए जाएं। जेएनयू में रहकर उन्होंने आम जनता के लिए क्या किया है।

सच तो यह है कि मंडल के उभार के बाद वामपंथी हाशिए पर आते गए हैं। जिस पश्चिम बंगाल में यह माना जाता था कि वहां उन्हें कोई चुनौती नहीं दे सकता, वहां आज वे भारतीय जनता पार्टी से भी पीछे हैं। ममता बनर्जी ने उनकी चूलें हिला दी हैं। वामपंथियों का बड़ा तबका इन दिनों या तो तृणमूल में शामिल हो रहा है या भारतीय जनता पार्टी में। कैडर बेस्ड पार्टियों को यह क्या हुआ कि वक्त बदला, सरकार बदली तो सारा कैडर भाग गया। कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो की सारी शिक्षाएं और धरती पर दिखाए गए स्वर्ग के सारे सपने अधूरे रह गए। त्रिपुरा में भी वे चुनाव हार ही चुके हैं। सिर्फ केरल में जरूर सत्ता में हैं। वामपंथ के ऐसे दुर्दिन कभी देखे ही नहीं गए। कल तक वे किंगमेकर हुआ करते थे। मनमोहन सिंह के यूपीए-एक में सत्ता में थे।

सारे सरकारी संस्थानों में इनकी तूती बोलती थी। इससे यह तो लगता ही है कि जिस कैडर के सहारे आप अपनी सत्ता चलाते हैं, वह अपना पाला बदलने में वक्त नहीं लगाता। आखिर उन शिक्षाओं का क्या हुआ जो कहती थीं कि वंस ए कम्युनिस्ट आलवेज ए कम्युनिस्ट। यह भी सच है कि दशकों सत्ता में रहने के बाद वामपंथी भी सत्ता के उसी जोड़-तोड़ में शामिल हो गए, जिसमें दूसरे दल होते हैं। उन्होंने भी सत्ता के वही लाभ उठाए जो दूसरे दलों के कार्यकर्ता उठाते हैं। इसीलिए जैसे ही सत्ता बदली, तो लगने लगा कि अब वे लाभ उन्हीं से मिल सकते हैं, जो सत्ता में हैं। तो विचार गया भाड़ में, असली सत्य सत्ता और उससे मिलने वाले लाभ हुए। वैसे भी उगते सूरज को ही सब प्रणाम करते हैं। हारने वाले के साथ कोई नहीं होता। इसीलिए ऐसा हुआ है कि सत्ता में आना तो दूर, वामपंथी दलों के सामने अस्तित्व तक का संकट उपस्थित हो गया है। कैसे बचें। जमीनी सच्चाई कितनी और कहां बदल गई, इसका आभास तक नहीं हुआ। इसीलिए डूबते को तिनके का सहारा। कन्हैया की पीठ पर ही सवार होकर अगर कुछ सफलता मिल सके तो क्या बुरा। इसीलिए फेसबुक पर कन्हैया के बारे में जो लिखा जा रहा है, उसे पढ़कर लगता है कि वह चे ग्वारा, लेनिन, स्टालिन, माओ, फिदेल कास्त्रो, ज्योति बसु, ई नम्बूदरीपाद आदि का मिलाजुला अवतार ही नहीं, उनसे आगे हैं। आपातकाल के बाद जब जनता पार्टी की सरकार बनी थी तो वाम के एक तबके ने उस समय के जनसंघ और आरएसएस का सपोर्ट भी किया था। तब कांग्रेस में ही सारी खामियां नजर आती थीं। कहा जाता था कि जैसे भी हो, कांग्रेस से मुक्ति मिले। तभी देश का भला हो सकता है। आज उसी कांग्रेस में सारे गुण नजर आ रहे हैं। जब महागठबंधन बन रहा था तो लग रहा था कि शायद वाम दलों को भी कोई पूछ लेगा। उनकी भी किसी राय का महत्व होगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक कहीं वाम को गठबंधनों में जगह नहीं दी गई। जबकि लालू हों या मुलायम, वामपंथी अक्सर इनके दलों को समर्थन देते आए हैं। और मानते रहे हैं कि ये ही दल साम्प्रदायिकता से लड़ सकते हैं मगर इन दलों को इस चुनाव में उनकी कोई जरूरत नहीं।

कन्हैया अगर जीत भी जाएं तो वाम का किला दरकने से बच जाएगा, यह कैसे कहा जा सकता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

मौन भी रहे

श्रीराम शर्मा आचार्य/ अगर आप अपनी इच्छा से कुछ समय के लिए बोलना छोड़ दें, मौन धारण कर लें तो इससे आपको बहुत फायदे हो सकते हैं। मौन के लाभमौन की शुरु आत जुबान के चुप होने से होती है। धीरे-धीरे जुबान के बाद आपका मन भी चुप हो जाता है। मन में चुप्पी जब गहराएगी तो आंखें, चेहरा और पूरा शरीर चुप और शांत होने लगेगा। तब आप इस संसार को नए सिरे से देखना शुरू कर पाएंगे। बिल्कुल उस तरह से जैसे कोई नवजात शिशु संसार को देखता है। जरूरी है कि मौन रहने के दौरान सिर्फ श्वासों के आवागमन को ही महसूस करते हुए उसका आनंद लें। मौन से मन की शक्ति बढ़ती है। शक्तिशाली मन में किसी भी प्रकार का भय, क्रोध, चिंता और व्यग्रता नहीं रहती। मौन का अभ्यास करने से सभी प्रकार के मानसिक विकार समाप्त हो जाते हैं। मौन के सात महत्वपूर्ण फायदे हैं। कुछ न बोलना यानी अपनी एक सुविधा से मुंह मोड़ना। जो आपके मन में चल रहा होता है, उसे आप तुरंत बोल देते हैं। लेकिन मौन रहने से चीजें बिल्कुल बदल जाती हैं। मौन अभाव में भी खुश रहना सिखाता है। जब आप सिर्फ लिखकर बात कर सकते हैं तो आप सिर्फ वही लिखेंगे जो बहुत जरूरी होगा। कई बार आप बहुत बातें करके भी कम कह पाते हो। लेकिन ऐसे में आप सिर्फ कहते हो, बात नहीं करते। इस तरह से आप अपने आपको अच्छी तरह से व्यक्त कर सकते हैं। प्रशंसाहमारे बोल पाने की वजह से हमारा जीवन आसान हो जाता है, लेकिन जब आप मौन धारण करेंगे तब आपको ये अहसास होगा कि आप दूसरों पर कितना निर्भर हैं। मौन रहने से आप दूसरों को ध्यान से सुनते हैं। अपनों को ध्यान से सुनना, उनकी प्रशंसा करना ही है। मौन आपको ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर करता है। इससे किसी एक चीज या बात पर ध्यान लगाना आसान हो जाता है। मौन विचारों को आकार देने में हमारी मदद करता है। जब आप हर मौसम में मौन धारण करना शुरू कर देंगे तो आप जान पाएंगे कि बासंती हवा और सर्दियों की हवा की आवाज भी अलग-अलग होती है। मौन हमें प्रकृति के करीब लाता है। मौन होकर बाहर टहलें। आप पाएंगे कि प्रकृति के पास आपको देने के लिए काफी कुछ है। मौन आपको आपके शरीर पर ध्यान देना सिखाता है। अपने शरीर को महसूस करने से आपका अशांत मन भी शांत हो जाता है। शांत मन स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है।

टीबी मार रहा बच्चों को

स्वास्थ्य/ डॉ. मोनिका शर्मा

इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट टीबी एंड लंग डिजीज की एक रिपोर्ट मुताबिक 2016 में भारत में टीबी से ग्रस्त करीब 1.2 लाख बच्चों के मामले सामने आये। 14 साल की उम्र तक के इन बच्चों में टीबी यानी तपेदिक के मामले में भारत दुनिया के देशों में पहले स्थान पर है। चीन दूसरे पायदान पर है। चीन में बच्चों में टीबी के नए मामले भी हमारे देश की तुलना में आधे से कम हैं। ''द साइलेंट एपिडेमिक-अ कॉल टू एक्शन अगेंस्ट चाइल्ड टीबी' नाम की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर के बच्चों में हर साल टीबी के करीब 10 लाख नए मामले सामने आते हैं। इनमें से हर चार बच्चों में एक की मौत हो जाती है। दरअसल, टीबी बैक्टीरिया से फैलने वाली बीमारी है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर वर्ष हर उम्र के करीब 22 लाख टीबी रोगी बढ़ जाते हैं। ऐसे में संक्रमण की स्थितियां तो और भी चिंतनीय हैं, क्योंकि इनमें से करीब आठ लाख टीबी मरीज स्मीयर पॉजीटिव होते हैं। यानी ऐसे तपेदिक रोगी जिनसे इस बीमारी का संक्रमण दूसरों तक पहुंचने का काफी खतरा होता है। आमतौर पर टीबी के एक रोगी से एक वर्ष में औसतन 10-15 लोगों को संक्रमण होता है। इसके अलावा, धूम्रपान और शराब के सेवन से भी यह बीमारी होती है। ऐसे में हमारे यहां हवा में बढ़ते प्रदूषण, बदलती जीवनशैली और स्वच्छता की कमी भी इस रोग को विस्तार देने वाले कारण हैं। दिल्ली में हालिया बरसों में टीबी के मामले तेज़ी से बढ़े हैं। विशेषज्ञ इस महानगर में बढ़ती भीड़ व प्रदूषण को बढ़ते मामलों की अहम वजह मान रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक सूची के मुताबिक आठ देशों में दुनिया भर के दो तिहाई तपेदिक के मरीज हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इस फेहरिस्त में भारत सबसे पहले पायदान पर है। इसके बाद चीन, इंडोनेशिया, फिलीपींस, पाकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश और दक्षिणी अफ्रीका में सबसे ज्यादा टीबी के रोगी हैं। हालांकि सरकार का इरादा है कि आने वाले कुछ सालों में देश को टीबी यानी तपेदिक से पूरी तरह मुक्त कर लिया जाय, लेकिन आज भी टीबी के इलाज से छूट रहे मरीजों को ढूंढ निकालने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयास नाकाफी ही लगते हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, जबकि भारत ने अपने लिए इस लक्ष्य को 2025 तक पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस बीमारी के उन्मूलन से जुड़े टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए पहले तीन वर्षों में 12 हजार करोड़ रु पये का प्रावधान किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ को लेकर सुरक्षात्मक पहलू पर भी विचार किया गया है, जिसके तहत स्वच्छता, योग और टीकाकरण को बढ़ावा देने वाले अभियान शामिल हैं ताकि बच्चों में ऐसी संक्रामक बीमारियों को फैलने से ही रोका जा सके। यह एक सार्थक कदम है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर वर्ष 15 साल से छोटे 10 लाख बच्चे टीबी के शिकार होते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में बच्चे मौत के मुंह में चले जाते हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि बच्चों में इस रोग के लक्षण आसानी से पकड़ में नहीं आते। टीबी से ग्रस्त करीब 90 फीसद बच्चों को इलाज ही नहीं मिल पाता। भारत में भी टीबी की गिरफ्त में आये बच्चों की बड़ी संख्या ऐसी है, जिन्हें सही समय पर इलाज नहीं मिलता। ऐसे मामले भी सामने आते रहे हैं, जिनमें किसी एक अंग के टीबी से ग्रस्त हो जाने के बाद बच्चों को वक्त पर इलाज न मिलने से यह बीमारी हड्डियों, जोड़ों और दिमाग जैसे दूसरे अंगों तक भी पहुंच जाती है। ऐसी स्थिति में न सिर्फ ऐसे बाल रोगियों का इलाज बहुत मुश्किल जाता है, बल्कि शारीरिक रूप से बेहद कमज़ोर हो जाने के कारण उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घट जाती है। यह भावी पीढ़ी की सेहत से जुड़ी बड़ी चिंता है कि भारत में टीबी के तकरीबन 10 फ़ीसद मामले बच्चों में होते हैं। तकलीफदेह यह भी है कि इनमें से केवल 6 फीसद मामले ही सामने आ पाते हैं। इतना ही नहीं, इस बीमारी का दुष्प्रभाव बच्चों में बड़ों की अपेक्षा ज्यादा खतरनाक होता है। दुखद है कि हर साल बाल क्षय रोगियों की संख्या बढ़ ही रही है। एक अकेले उत्तर प्रदेश में ही 13,941 बच्चे टीबी की चपेट में हैं। इस बीमारी के मामले में जागरूकता और जानकारी का अभाव आज भी एक बड़ी समस्या बना हुआ हैं। इतना ही नहीं, जांच और चिकित्सा की प्रक्रिया भी बड़ों वाली ही काम में ली जाती है। साथ ही बच्चों में बढ़ता कुपोषण भी इस रोग के कम उम्र के मरीज बढ़ा रहा है। कुपोषित बच्चों को टीबी की बीमारी जल्दी अपनी गिरफ्त में लेती है।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

विश्व बैंक का पाकिस्तान को बड़ा झटका, स्थगित की 20 करोड़ डॉलर की जल परियोजना

करांची।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित जल संसाधन परियोजना के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कर्ज को स्थगित कर दिया है। विश्व बैंक की प्रवक्ता मरियम अल्ताफ ने रविवार को बताया कि इस परियोजना के स्थगित होने की मूल वजह प्रगति तथा नियंत्रण में कमी है। उन्होंने बताया, ''फिलहाल, इस परियोजना को 30 दिनों के लिए निर्लंबित कर दिया गया है।'' बलूचिस्तान एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और विकास परियोजना पर तीन साल पहले हस्ताक्षर किए गए थे। बैंक ने इस परियोजना की 20 करोड़ 97 लाख डॉलर की अनुमानित लागत में से 20 करोड़ डॉलर को कवर करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की थी। अरब न्यूज के मुताबिक बैंक ने इससे पहले एक बयान में कहा, ''दुर्भाग्य से, तब से परियोजना के प्रबंधन में प्रगति, निधियों के वितरण, नागरिक कार्यों के साथ आगे बढ़ना और नियंत्रण में कमी पाई गई है।'' बयान में कहा गया,''विश्व बैंक ने आज परियोजना को स्थगित कर दिया है और अगले 30 दिनों तक बलूचिस्तान सरकार के साथ काम करने की पेशकश की है ताकि गुंजाइश तथा शासन व्यवस्था को और अधिक वास्तविक रूप से पुनर्गठन कर प्रांत को स्थायी जल प्रबंधन दिया जा सके।'' यह परियोजना अक्टूबर 2022 में पूरी होने वाली है और इसका उद्देश्य बलूचिस्तान में लक्षित सिंचाई योजनाओं के लिए जल संसाधन निगरानी और प्रबंधन के लिए प्रांतीय सरकारी क्षमता को मजबूत करना और समुदाय आधारित जल प्रबंधन में सुधार करना है। मुख्यमंत्री जाम कमाल खान के प्रवक्ता अजीम काकर ने परियोजना के स्थगन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। क्वेटा स्थित विकास विशेषज्ञ अदनान आमिर ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसके लिए प्रांतीय सरकारी तंत्र को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। बलूचिस्तान प्रांत को पाकिस्तान में सबसे खराब स्वास्थ्य सूचक माना जाता है।

अरब लीग ने गोलन पहाड़ियों को लेकर ट्रंप का फैसला ठुकराया

दुबई/ट्यूनिस।

सऊदी अरब के नेतृत्व में रविवार को आयोजित अरब लीग की बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इसराईल नीति की कड़ी आलोचना की गई । बैठक में गोलन पहाड़ियों पर इसराईल के अधिकार को मान्यता देने के हाल के ट्रंप के फैसले और इससे पहले यरुशलम को इसराईल की राजधानी बनाने के फैसले को सिरे से खारिज कर दिया गया, लेकिन आपसी प्रतिद्वंद्विता के चलते अरब लीग बंटी हुई भी दिखी। इस बैठक में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हामद अल-थानी आए तो, लेकिन कुछ ही देर बाद बिना कोई कारण बताए उठकर चले गए। सऊदी और कतर के बीच दो साल से तनातनी चल रही है। गौरतलब है कि अरब जगत अपने अंदरूनी मामलों से इन दिनों अशांत है। यमन में जारी युद्ध और अल्जीरिया व सूडान में चल रही अशांति का कोई निदान नहीं निकल पा रहा है। यमन में सऊदी अरब और ईरान भिड़े हुए हैं। तो लेबनान और कतर में भी हितों का टकराव चल रहा है। बैठक में सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुल अजीज ने अरब जगत से कहा, उनका देश सीरिया की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाले गोलन पहाड़ियों से संबंधित अमेरिका के फैसले को पूरी तरह

से खारिज करता है। उल्लेखनीय है कि सन 1967 में युद्ध के दौरान इसराईल ने सीरिया की गोलन पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया था। तब से इसराईल ने सीरिया को इन पहाड़ियों को नहीं लौटाया।

वेनेजुएला बिजली संकट बरकरार: काम के घंटों में कटौती, स्कूली छुट्टियां बढ़ी

काराकस।

वेनेजुएला की सरकार ने देश में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण काम के घंटों में कटौती करने और स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने की सोमवार को घोषणा की। लचर बुनियादी ढांचे, बिजली ग्रिड में कम निवेश और खराब रख-रखाव के कारण देश में बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। वेनेजुएला में पिछले महीने बिजली संकट रहा है और इसके अभी भी बने रहने की संभावना है। देश की संकटग्रस्त आर्थिक स्थिति, महंगाई दर और बिजली विभाग के करीब 25,000 योग्य व्यक्ति के देश से 'प्रतिभा पलायन' के कारण इस संकट का कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है।

रविवार को अधिकारियों ने स्वीकार किया कि हर जगह पर आपूर्ति के लिए पर्याप्त बिजली नहीं है। संचार मंत्री जॉर्ज रॉड्रिग्स ने सरकारी टेलीविजन से कहा कि बिजली आपूर्ति में स्थिरता बनाए रखन के लक्ष्य से वेनेजुएला की सरकार ने स्कूली गतिविधियों को बंद करने और सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों में दोपहर दो बजे तक का कार्यदिवस रखने का निर्णय लिया है।

जुजाना कैप्यूटोवा ने रचा इतिहास, बनीं स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति

इंटरनेशनल डेस्क।

स्लोवाकिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जुजाना कैप्युटोवा को जीत मिली है। वह स्लोवाकिया की पहली महिला राष्ट्रपति बन गई हैं। उनके सामने राजनायिक मारकोस सेपकोविक चुनाव लड़ रहे थे। मारकोस मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से राष्ट्रपति के उम्मीदवार थे। जुजाना कैप्यूटोवा ने इन चुनावों को अच्छाई और बुराई की बीच एक संघर्ष बताया। इन चुनावों के दौरान एक खोजी पत्रकार की मौत भी हो गई थी। जैन कुसिएक लगातार नियोजित तरीके से हो रहे अपराधों और राजनीति के बीच गठबंधन की पड़ताल कर रहे थे। इसी जांच पड़ताल के दौरान उन्हें गोली मार दी गई। फरवरी 2018 में यह घटना उस वक्त हुई, जब वो अपनी मंगेतर के साथ थे। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार जुजाना ने अपने एक संबोधन में कहा था कि यूं तो चुनाव में खड़े होने के कई कारण हैं। लेकिन एक बहुत बड़ा कारण पत्रकार जैन कुसिऐक की मौत भी है। वोटों गकी गिनती होने के बाद जब परिणाम सामने आए तो जुजाना कैप्यूटोवा को 58 फीसदी मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी को 42 फीसदी ही मत मिले। पहले चरण के मतदान में कैप्यूटोवा को 40 फ़ीसदी वोट मिले थे जबकि सेपफ़कोविक को

19 प्रतिशत से भी कम वोट मिले थे। जुजाना वकालत करती हैं। उनको पहचान अवैध कूड़ाघर के कब्जे को लेकर 14 साल तक लड़े गे केस के बाद मिली। 45 साल की नवनियुक्त राष्ट्रपति जुजाना दो बच्चों की मां हैं। वो प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी की सदस्य हैं, जिसकी पार्लियामेंट में एक भी सीट नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानः दूसरा निकाह रचाने वाले कारोबारी को जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक व्यक्ति को अपनी पहली पत्नी की मर्जी के बिना गुपचुप दूसरी शादी रचाने के जुर्म में 3 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। लाहौर कैंटोनमेंट कोर्ट के मजिस्ट्रेट काशिफ अब्बास ने ''पहली पत्नी की अनिवार्य मर्जी'' के बिना दूसरी शादी करने के जुर्म में कारोबारी शोएब जाहिद को सजा सुनाई और उस पर 5,000 रुपए जुर्माना भी लगाया। मजिस्ट्रेट ने 30 मार्च को दिए गए अपने फैसले में कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा पेश मौखिक और दस्तावेजी सबूतों से साबित होता है कि उसके पति ने अपराध किया। शिकायतकर्ता राबिया युनूस ने अदालत को बताया कि उसके पति ने गुपचुप तरीके से दूसरी शादी रचाई। गौरतलब है कि 2014 मुस्लिम परिवार कानून के तहत कोई भी व्यक्ति मौजूदा शादी के अस्तित्व में रहते हुए दूसरी शादी नहीं कर सकता और ना ही बिना समुचित अनुमति के ऐसी कोई भी शादी इस कानून के तहत पंजीकृत होगी।

चीन में चक्रवात कारण दो बच्चों की मौत, 20 घायल

बीजिंग। चीन के मध्य हेनाम प्रांत में रविवार को आए चक्रवात के कारण दो बच्चों की मौत हो गई और अन्य 20 लोग घायल हो गए। घायलों में

18 बच्चे तथा 2 व्यसक हैं। स्थानीय प्रशासन ने इसकी जानकारी दी। प्रांत प्रचार विभाग के मुताबिक चक्रवात रविवार की शाम तीन बजे शांगीक शहर के युचेंग प्रांत में आया। घायलों में एक बच्चा गंभीर रुप घायल है जबकि 17 बच्चे और दो व्यस्कों को मामूली चोटें आई है जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अमेरिका में मरीन हेलिकॉप्टर क्रैश, 2 पायलटों की मौत

लॉस एंजिलस। अमेरिका के एरिजोना में युमा के पास हेलिकॉप्टर क्रैश में दो मरीन कॉर्प्स पायलट की मौत हो गई। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन द्वारा जारी

विज्ञप्ति के अनुसार यह हादसा शनिवार की रात एरिजोना के युमा के पास हुआ। विज्ञप्ति के मुताबिक दोनों पायलट एक नियमित प्रशिक्षण मिशन का संचालन कर रहे थे। उनके अनुसार हादसे की वजह की जांच चल रही है। अमेरीका मरीन ने ट्वीट कर कहा, ''हमारी संवेदनाएं हमारे दो पायलटों के परिजनों के साथ हैं जिन्हें हमने शनिवार की रात युमा में खो दिया।''

ईरान में बाढ़ से 5 लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के पश्चिमी लोरेस्टन प्रांत में रविवार को आई बाढ़ में पांच लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश और बाढ़ के कारण लोरेस्टन में बुनियादी ढांचे, आवासीय मकान, पुल और सड़कों को काफी नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों में कई लोग विस्थापित हो गए हैं। लोरेस्टन का 50 फीसदी हिस्सा बाढ़ की चपेट में आ गया है और जल स्तर बढने के कारण देश के 300 गांव सड़क से कट गए हैं। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह बाढ़ और भूस्खलन से ईरान में 44 लोगों की मौत हो गई थी और अन्य 265 लोग घायल हो गए थे।

130 वर्ष का हुआ एफिल टॉवर

पेरिस। फ्रांस में दुनियाभर से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र एफिल टॉवर इस सप्ताह अपनी 130वीं सालगिरह मना रहा है। एफिल टॉवर की 130वीं सालगिराह के मद्देनजर इस सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के तहत एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जो एफिल टॉवर के लिए काम करने वाली महिलाओं और पुरुषों को समर्पित होगी। डेढ़ घंटे का एक मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें पर्यटकों को एफिल टॉवर के इतिहास के बारे में जानकारी दी जाएगी। खूबसूरत शहर पेरिस में बने एफिल टॉवर की 130वीं सालगिराह को यादगार बनाने के लिए 31 मार्च से पर्यटकों को स्मृति चिह्न वाले टिकट प्रदान किए जाएंगे। लोग इस दौरान विशेष व्यंजनों का आनंद भी ले सकेंगे। यह उत्सव वर्ष भर चलेगा। उल्लेखनीय है कि एफिल टॉवर को 31 मार्च 1889 को पर्यटकों के लिए खोला गया था। इसे बनने में दो वर्ष का समय लगा था। पेरिस में आयोजित होने वाले विश्व मेले के लिए बना एफिल टॉवर आज फ्रांस का प्रतीक बन गया है।

ब्रेक्जिट को लेकर धैर्य खो रहा यूरोपीय संघ

लंदन। यूरोपीय संघ के प्रेसिडेंट जीन क्लाउड जंकर का कहना है कि ब्रेक्जिट में ब्रिटेन को लेकर ईयू का धैर्य अब खत्म हो रहा है। गौरतलब है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री थरेसा मे तीन बार ब्रेक्जिट समझौता पेश कर चुकी हैं, लेकिन हर बार सांसदों ने उसे नकार दिया है। अब हालात ऐसे हैं कि ब्रिटेन दो सप्ताह के भीतर बिना किसी समझौते के ईयू से बाहर हो सकता है।जंकर ने रविवार को इटली के सरकारी टीवी चैनल राय 1 से कहा, ''अपने ब्रिटिश मित्रों के लिए हमने बहुत धैर्य रखा था, लेकिन अब हमारा धीरज भी खत्म हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहूंगा कि आने वाले कुछ घंटों या दिनों में ग्रेट ब्रिटेन ब्रेक्जिट को लेकर सहमति बनाए और आगे बढ़े।''

शिक्षा के क्षेत्र में भारत को बड़ी कामयाबी, अब यूएई में भारतीय डिग्री को मिलेगा समान दर्जा

दुबई।

यूएई सरकार निर्धारित मानदण्ड पूरा करने वाली सभी भारतीय डिग्री के लिए समान दर्जा जारी करेगी। इस कदम से खाड़ी देश में नौकरी तलाश रहे लोगों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है। अबू धाबी में भारतीय दूतावास की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, भारतीय दूत नवदीप सिंह सूरी ने यूएई के शिक्षा मंत्री हुसैन बिन इब्राहिम से पिछले सप्ताह मिलकर भारतीय नागरिकों की समस्याओं पर चर्चा की। बाहरी या आंतरिक मार्क्स को लेकर अस्पष्टता के कारण कुछ भारतीय डिग्री को समान दर्जा से इंकार किए जाने के बाद यह बैठक हुई। बयान में कहा गया कि चर्चा के बाद संयुक्त अरब अमीरात के शिक्षा मंत्रालय ने इसे अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत प्रमाणपत्र को लेकर सभी समतुल्य मापदंड पूरा करने वाली डिग्री को समान दर्जा देने पर कोई आपत्ति नहीं है। बयान के मुताबिक, जिन आवेदनों को पहले खारिज कर दिया गया था उनकी समीक्षा की जाएगी और प्रमाणपत्र से जुड़ी शर्तें पूरी करने के बाद उन्हें समतुल्यता का पत्र जारी कर दिया जाएगा। यूएई में भारतीय समुदाय सबसे बड़ा प्रवासी समूह है। तकरीबन 33 लाख प्रवासी भारतीय यहां रहते हैं। खाड़ी देश की कुल आबादी का यह 30 प्रतिशत है।

पाक में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण का मामला भड़का, सड़कों पर उतरे लोग

पेशावर।

पाकिस्तान में दो नाबालिग हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण व निकाह मामले में वहां के हिंदू समुदाय में रोष बढ़ता ही जा रहा है। रविवार को पाकिस्तान के लाहौर में हिंदू लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। बता दें कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो नाबालिग हिंदू लड़कियों रवीना और रीना को अगवा करके जबरन मुस्लिम बनाकर उनका निकाह का मामला सामने आने के बाद यहां हिंदुओं में भय और आक्रोश व्याप्त है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने की बात कही है, लेकिन सरकार की कथनी और करनी में फर्क नजर आ रहा है। रीना और रवीना के अगवा होने के बाद से हिंदू लड़कियों को गायब करने के सिलसिले में तेजी से हिंदू समाज आतंकित है। पाकिस्तान में नाबालिग हिंदू लड़कियों को अगवा कर उन्हें जबरन मुसलमान बनाए जाने को मामले को उजागर करने वाली पाकिस्तानी पत्रकार वींगस ने हिंदू कार्यकर्ताओं के हवाले से बताया कि गुरुवार को सिंध प्रांत के सक्खर से दस साल की एक और हिंदू लड़की लक्ष्मी को अगवा कर लिया गया। उनके अनुसार बीते एक माह में कम से कम 13 हिंदू लड़कियों को अगवा किया जा चुका है। एक दिन पहले ही सिंध के बादिन इलाके से 15 साल की हिंदू लड़की माला को अगवा कर लिया गया था। पाकिस्तान में होली के दिन रीना और रवीना को अगवा किए जाने के बाद से ये अराजक तत्व और ज्यादा बेखौफ नजर आ रहे हैं, जो नाबालिग हिंदू लड़कियों को अगवा कर उनका निकाह कराने का धंधा कर रहे हैं।ऐसे तत्वों में मियां मिट्ठू खासा कुख्यात है। उसने खुले आम कह रखा है कि उसका मकसद हर साल कम से कम सौ हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाना है। उसके रसूख का पता इससे चलता है कि उसे इमरान खान से लेकर पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा भी कौम की सेवा करने वाला मौलवी बताते हैं। इमरान खान की पार्टी तहरीक एक इंसाफ के सांसद रमेश कुमार वांकवानी का कहना है कि यहां दो या तीन मदरसे हैं जो जबरन धर्म परिवर्तन के लिए जाने जाते हैं। इनमें बारछूंदी शरीफ का मियां मिट्ठू भी शामिल है। ये अन्य छोटे मदरसों की भी मदद करते हैं। वांकवानी के मुताबिक वो उम्रदराज महिलाओं या मर्दों का नहीं बल्कि लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराते हैं। उन्होंने एक वर्ष में हजारों हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है। उनका यह भी आरोप है कि धर्म परिवर्तन के बाद इन लड़कियों की शादी ऐसे व्यक्ति से कर दी जाती है जो आम तौर पर पहले से ही विवाहित होता है।

मां ने कैंसर पीड़ित मासूम के लिए मांगी दुर्लभ मदद, बारिश में पहुंच गए 4855 लोग

लंदन। सोशल मीडिया भावनाएं व्यक्त करने व संदेश देने के लिए तेज व प्रभावशाली माध्यम बन गया है। ब्रिटेन में कैंसर से लड़ रहे 5 साल के बच्चे को बचाने के लिए मां

ने सोशल मीडिया पर एक दुलर्भ चीज मांग ली। बच्चे की मां तब हैरान रह गई जब उसे पता चला कि उशकी मदद के लिए हजारों लोग अस्पताल पहुंच गए। दरअसल, ब्रिटेन के बर्मिंघम चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में पिछले एक साल से ब्लड कैंसर की बीमारी से जूझ रहे 5 साल के बच्चे को इलाज के लिए स्टेम सेल डोनर की जरूरत थी। शुरुआत में डोनर और बच्चे के स्टेम सेल मैच नहीं हो रहे थे। मां ने मदद के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली और लोगों से मदद की अपील की। अगले दिन बारिश में 4, 855 से ज्यादा लोग अस्पताल के बाहर पहुंच गए। ये लोग बारिश में घंटों तक अस्पताल के बाहर लाइन लगाकर खड़े रहे। इन डोनर्स में से 3 लोगों के स्टेम सेल बच्चे से मैच हो गए। बच्चे का नाम ऑस्कर ली है। दुर्लभ कैंसर एक्यूट लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया की बीमारी के चलते वो बर्मिंघम चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में भर्ती है। ऑस्कर के माता-पिता ने सहयोग करने के लिए लोगों के शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि आपके समर्थन के बिना यह संभव नहीं था। उन्होंने बताया कि डॉक्टर ने कहा था कि स्टेम सेल डोनर नहीं मिला तो वह तीन महीने से ज्यादा जिंदा नहीं रह पाएगा।

किम जोंग-नाम हत्याकांड : दूसरी आरोपी महिला ने कुछ आरोप स्वीकारे

कुआलालंपुर ।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के सौतेले भाई किम जोंग-नाम की हत्या में घातक नर्व एजेंट का इस्तेमाल करने वाली वियतनामी महिला ने सोमवार को खतरनाक हथियार से नुकसान पहुंचाने के कुछ आरोप को स्वीकार किया है। यह वियतनामी महिला इस मामले में दूसरी आरोपी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, मलेशियाई अभियोजकों ने दोआन थी हुआंग के खिलाफ हत्या के आरोप को कम करने का प्रस्ताव दिया। बीते महीने अपने सह आरोपी इंडोनेशियाई नागरिक सिति एसियाह की रिहाई के बाद से हुआंग एकमात्र संदिग्ध है जो अभी भी सलाखों के पीछे हैं। हुआंग अदालत में अभियोजकों के हत्या के आरोप को हटाकर इसकी जगह पर कुछ आरोप लगाने के प्रस्ताव को सुनकर मुस्कुराई। न्यायाधीश ने हुआंग को तीन साल व चार महीने की सजा सुनाई, जो फरवरी 2017 की गिरफ्तारी की तिथि से शुरू होगी। इसका मतलब है कि वह हिरासत से अगले साल रिहा हो सकती है। हुआंग दो आरोपी महिलाओं में एक है जिस पर फरवरी 2017 में किम जोंग-नाम की हत्या का आरोप है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, हुआंग के वकील हिसयम तेह पोह तेईक ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम ने अटॉर्नी जनरल से हुआंग के खिलाफ आरोप पर फिर से विचार के लिए एक अर्जी दाखिल की थी। तेह ने अदालत से कहा, अटार्नी जनरल द्वारा इसे स्वीकार किया गया है और यह वही है जिसे हम आज सुबह होते हुए देख रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए हम अटॉर्नी जनरल का आभार प्रकट करते हैं।

भाजपा प्रत्याशी सी.आर. पाटिल ने नवसारी लोकसभा सीट का पर्चा भरा

सूरत। सोमवार को नवसारी लोकसभा सीट पर भाजपा के निवर्तमान सासंद सी.आर. पाटिल ने नवसारी जिला कलेक्टर आफिस में अपनी उम्मीदवारी दर्ज करायी। नवसारी के लोकनृत्य धेरैया नृत्य के साथ लगभग 50000 की जनमेदनी के बीच सी.आर. पाटिल पर्चा भरने के साथ ही अपनी जीत का विश्वास भी व्यक्त किया।

नवसारी लोकसभा 25 सीट के लिए भाजपा के प्रत्याशी के लिए गंभीर संस्पेशन के बाद दो टर्म से विजेता रहे निवर्तमान सासंद सी.आर. पाटिल ने तीसरी बार अपनी उम्मीदवारी दर्ज की। भाजपा एवं कांग्रेस दोनों पक्षों में कोली पटेल प्रत्याशी की मांग एवं भाजपा समर्थित जलालपोर नवसारी काठां विस्तार के गांवों के कोली पटेल प्रत्याशी को ही टिकट दिया जाए ऐसी मांग विस्तार की जनता द्वारा की गयी थी। निवर्तमान भाजपा सांसद सी.आर. पाटिल आज शहेर भाजपा कार्यालय सरबतिया तलाब लुंसी कुंई से हजारों कार्यकर्ताओं के साथ में भी हुं चौकीदार के बैनरों को लिए हर हर मोदी घर घर मोदी के सूत्रों के साथ लगभग डेढ किलोमीटर लम्बे जुलूस एवं रैली निकालकर नवसारी जिला कलेक्टर आफिस उम्मीदवारी का पर्चा भरा और देश का माहौल देखते हुए 400 से ज्यादा सीटों पर भाजपा की जीत का विश्वास व्यक्त किया। नवसारी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी के रुप में पर्चा भरने रैली एवं जुलूस के साथ जुड़े कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह था।

तलाला से कांग्रेस विधायक भगवान वारड को सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम राहत

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के तलाला से कांग्रेस विधायक भगवान वारड को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने उनकी सीट घोषित कर वहां उपचुनाव की घोषणा करने वाली चुनाव आयोग की अधिसूचना पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने चुनाव आयोग, विधानसभा स्पीकर और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। भगवान वारड गुजरात की तलाला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक थे।

अवैध खनन के एक मामले में निचली अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए दो साल नौ महीने की जेल की सजा सुनाई। इसके बाद गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष ने पिछले 10 मार्च को अयोग्य घोषित कर दिया। उसके बाद निर्वाचन आयोग ने उस सीट पर चुनाव की घोषणा कर दी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक तलाला विधानसभा सीट पर 23 अप्रैल को उपचुनाव होना है।

निर्वाचन आयोग और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ भगवान वारड ने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन हाईकोर्ट ने कोई राहत देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ वारड ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

इ.वी.एम. एवं वी.वी.पेट के निमित्त कार्यशाला एवं प्रदर्शन

सूरत। इ.वी.एम एवं वी.वी.पेट द्वारा मतदान की कार्यवाही के सम्बन्ध में अधिकाधिक मतदाताओं में जागृति एवं समझ के निमित समस्त सूरत शहर एवं जिला प्रदर्श एवंकार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अन्तगर्त पलसाणा तालुका के एना, धामडोद, विजोड़िया गामो में इ.वी.एम का प्रदर्शन कर लोगों को इनका उपयोग करने का सुझाव दिया गया। बैलेट यूनिट में चुनाव लड़ते उम्मीदवारों के नाम एवं उनके पक्ष के प्रतीक और उम्मीदवारों के फोटों छापे गये है। अपक्ष उम्मीदवारों के मामले में उम्मीदवार का फोटो एवं उसे आवेंटित प्रतीक छापा गया है। मतदाता अपनी पसन्द के प्रत्याशी के सामने आसमानी रंग के बटन को दबाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते है। बैलेट यूनिट पर आसमानी बटन दबाने के बाद बैलेट यूनिट के साथ रखा गया वी.वी. पेट में सात सेकेन्ड तक स्लिप दिखाई देगी। जिसमें मतदाता की पसन्द के प्रत्याशी का क्रमांक प्रतीक एवं नाम दिखाया गया है। जिससे मतदाता अपने द्वारा दिए गए मत की खराई कर सकेंगे।

अमित शाह ने चुनावी हलफनामे में दी गलत जानकारी, हो कार्यवाही: कांग्रेस

अहमदाबाद। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह पर चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के नेता मनीष तिवारी ने चुनाव आयोग से अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अमित शाह गुजरात के गांधीनगर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा है कि अमित शाह के चुनावी हलफनामे में पता चलता है कि उनकी संपत्ति कई गुना बढ़ गई। साल 2012 से 2019 तक उनकी संपत्ति 300 प्रतिशत बढ़ी।

उन्होंने हलफनामे में गांधीनगर में एक प्लाट का जिक्र किया है। गांधीनगर सेक्टर एक में प्लाट नम्बर 510 का जिक्र है। अचल संपत्ति का बाजार भाव बताना होता है। गुजरात में जंत्री/सर्कल रेट के हिसाब से जमीन की कीमत तय होती है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के प्लाट का बाजार भाव, खाली का 16,500 प्रति स्क्वेयर मीटर और आवासीय का भाव 21,000 प्रति स्क्वेयर मीटर है। अमित शाह का प्लाट 316.93 स्क्वेयर मीटर है। सरकारी रेट से प्लाट की कीमत करीब 66,55, 530 रुपये है जबकि अमित शाह ने अपने प्लाट का मूल्य 25 लाख रुपये बताया है।

आधे से भी कम। मनीष तिवारी ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून में गलत जानकारी देना अपराध है। इसके लिए दंड और सजा का प्रावधान है। प्रक्रिया को नजरअंदाज करते हुए अमित शाह ने जानबूझकर गलत जानकारी दी है। चुनाव आयोग मामले का संज्ञान ले और कानून के तहत कार्रवाई करे। अमित कोई साधारण उम्मीदवार नहीं बीजेपी अध्यक्ष हैं।

मोदी-राहुल की शादी को लेकर हंगामा, मामला मारपीट तक पहुंचा

अहमदाबाद। शहर के साबरमती रिवरफ्रंट में आयोजित एक टीवी डिबेट के दौरान मोदी और राहुल गांधी की शादी को लेकर बवाल मच गया। आरोप-प्रत्यारोप से मामला मारपीट पहुंच गया और आखिरकार पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचकर बीचबचाव करना पड़ा। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर पालडी क्षेत्र के एनआईडी के निकट स्थित साइकल पार्क में टीवी डिबेट शो का आयोजन किया गया था। जहां भाजपा और कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया गया था। जबकि लोगों की भीड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संख्या अधिक थी।

गुजरात हाईकोर्ट के फ़ैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हार्दिक

अहमदाबाद। कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल गुजरात हाई कोर्ट के फ़ैसले के खिलाफ पहुंचे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने अपनी याचिका में गुजरात हाई कोर्ट के फैसले पर रोक और सज़ा को निलंबित करने की मांग की है। याचिका अभी सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में लंबित हैं, सूचीबद्ध नहीं हुई है। सूचीबद्ध होने के बाद हार्दिक अपनी याचिका पर सुनवाई की मांग करेंगे। हार्दिक ने अपनी याचिका में कहा है कि नामांकन का आखिरी दिन गुरुवार है, लिहाजा सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट की याचिका पर रोक लगाए।

हार्दिक पटेल को फिलहाल लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया गया है। हार्दिक पटेल इस वजह से नहीं लड़ पाएंगे लोकसभा चुनाव, कुछ दिन पहले ही कांग्रेस में हुए हैं शामिल 2015 में गुजरात में हुए उपद्रव के मामले में शुक्रवार को गुजरात हाईकोर्ट से हार्दिक पटेल को बड़ा झटका लगा था। हाईकोर्ट ने हार्दिक पटेल की याचिका को ख़ारिज कर दिया था जिसमें मेहसाणा में 2015 के दंगा उपद्रव मामले में उनकी सजा निलंबित करने की अपील की गई थी।

दंगा भड़काने के आरोप में साल 2018 में निचली कोर्ट ने पाटीदार नेता हार्दिक पटेल को दोषी ठहराते हुए दो साल की जेल की सजा सुनाई थी। दंगा 23 जुलाई, 2015 को हुए थे और उनके नेतृत्व में पाटीदारों ने पहली बार रैली की थी।

भरुच में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में कांग्रेस, अहमद पटेल को उतार सकती है चुनावी मैदान में

भरुच। लोकसभा चुनाव तैयारीया तैयारीया जोरो पर है कोइ भी पार्टी किसी भी तरह कोताही बरतने के मुडमे नही है इसीलीए चुनाव मे काफी सोच समझकर अपने प्रत्याशी उतारे जा रहै है एसे मे बीटीपी से गठबंधन तुटने के बाद कोंग्रेस पार्टी बडा दाव चलने के मूड मे नजर आ रही है पार्टी अपने कदावर नेता, सोनीयां गांधी के राजनैतिक सलाहकार ओर राज्यसभा सांसद अहमद पटेल चुनावी मैदान मे उतार सकती है। अहमद पटेल संसद के सदस्य, एक महत्वपूर्ण राजनीतिक रणनीतिकार और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं।1976 में, उन्होंने गुजरात के भरूच जिले में स्थानीय निकाय चुनावों मे भाग लीया ओर अपने सक्रिय राजनीतिक करियर की शुरुआत की।1977, 80 और 85 में गुजरात की भरूच सीट से लोकसभा सांसद रहे चुके हैं। हालांकि 1989 में अहमद पटेल चंदुभाइ देशमुख के सामने 22 हज़ार वोटों से हार गए थे। इस हार के बाद से अहमद पटेल राज्यसभा से सांसद के तौर पे गुजरात का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।यूपीए शासन के दौरान 2004 और 2014 के बीच, अहमद पटेल सरकार और पार्टी के बीच मुख्य संकटमोचक और समन्वयक रेह चुके है। राजनीति के अलावा, वे व्यापक रूप से परोपकारी ओर धार्मिक काया मे हमेशा सामील रहे है. गुजरात प्रभारी राजीव सातव,क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने मांग की है कि अहमद पटेल अगर भरुच से चुनाव लडते है तो भरूच के अलावा आस पास की सीटों पर भी पार्टी को फायदा होगाअहमद पटेल भरुच लोकसभा शीट से चुनाव लडते है तो पुरे गुजरात मे कोंग्रस कार्यकरो में नया जोस ओर उत्साह भर जायेगा. भरुच शहर कोंग्रस के उपप्रमुख लुकमान पटेलने टेलीफोनीक वार्ता मेबताया की अहमद पटेलने भरुच जीला के विकास में अहम भुमीका अदा की है वो पार्टी सत्ता मे हो या विपक्ष मे भरुच जीला के विकास के लिए हमेशां कार्यरत रहे है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)